Name of Publication	Edition	Date
Viraat Vaibhav	New Delhi	September 13, 2014

जलवायु परिवर्तन पर जागरूकता जरूरी

वैभव न्यूज

नई दिल्ली। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन पर बहस दुनिया भर में अपनी पूरी तेजी पर है, जलवायु परिवर्तन अनुसंधान एवं कम्युनिकेशन में विशेषज्ञ इनोवेट ग्लोबल तथा स्ट्रेटेजिक कम्युनिकेशन्स कन्सलटेन्सी गुड सिनेशन्स इण्डिया ने भारत में जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर जागरुकता उत्पन्न करने के लिए युनाइटेड नेशन्स फाउन्डेशन्स के साथ साझेदारी में क्लिमा फिल्म फेस्ट 2014 का आयोजन किया।

इस तीन दिवसीय विशाल कार्यक्रम का आयोजन एम. ओ. पी. वैष्णव कॉलेज फॉर वुमेन में किया जाएगा, जिसके पहले को राजभवन में तमिलनाडु सरकार के राज्यपाल, महामहिम डॉ. के. रोसैया इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे 3000 से ज्यादा पंजीकृत प्रतिभागियों, 16 फिल्मों की स्क्रीनिंग, 14 मुद्दों पर फोकस, 13 पर्यावरणी एवं मीडिया विशेषज्ञों, 12 फिल्म निर्माताओं के साथ देश भर से 10 से ज्यादा सेंटिंग्स कई अन्तरराष्ट्रीय मंचों, 6 भागीदारों, 4 विषयात्मक सत्रों, 4 फिल्म सत्रों, 3 फेस्टिवल दिनों और 1 भव्य मंच के साथ क्लिमा फिल्म फेस्ट 2014 देश भर से आकर्षक कहानियों का संग्रह पेश करेगा। कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रतिष्ठित फिल्म निर्माताओं के द्वारा जलवायु परिवर्तन के मुद्दे एवं इसके प्रभावों पर प्रकाश डाला जाएगा। तमिलनाडु सरकार के राज्यपाल महामहिम डॉ. के. रोसैया ने इस अवसर पर अपने विचार अभिव्यक्त करते हुए बताया, ''इस संदर्भ में आम जनता में जागरुकता पैदा करना समय की मांग है। हमें हमारे पर्यावरण को संरक्षित रखने के लिए नई रण-नीतियां बनानी होंगी। जहां एक ओर सरकार इस मुद्दे पर नीतियां बना रही हैं, हर व्यक्ति को भी अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। भारत जलवायु बदलाव के चलते बाढ़, सूखा, भूस्खलन, गर्मी और सर्दी की तेज लहरों का पहले से सामना कर रहा है। ये आपदाएं वास्तव में प्राकृतिक नहीं हैं, बल्कि खुद मानव के द्वारा बनाई गई हैं। ■